MOMENTUM मोमेंटम
Country and Global Leadership कंट्री एंड ग्लोबल लीडरशिप

टीकाकरण टूलकिट की क्रियान्वयन निर्देशिका

"टीकाकरण को बढ़ावा देने हेतु धार्मिक / आस्था समुदायों के सहयोग के लिए निर्मित टूलकिट" के सफल उपयोग से सम्बंधित कारक

परिचय

यह क्रियान्वयन निर्देशिका "टीकाकरण को बढ़ावा देने हेतु धार्मिक/आस्था समुदायों के सहयोग के लिए निर्मित टूलकिट" के सफल उपयोग से सम्बंधित कारकों को दर्शाती है। इस टूलकिट को धार्मिक/आस्थावान प्रभावीजन तथा ऐसे स्टेकहोल्डर्स जो इन धार्मिक/आस्थावान प्रभावीजन के कार्यों में सहभागी होते हैं यथा सरकार या गैर सरकारी संगठन आदि के लिए तैयार किया है ताकि वे लोगों में टीकाकरण के सन्दर्भ में जागरूकता ला सकें, भ्रम व भ्रांतियों को दूर करके टीकाकरण को बढ़ावा दे सकें।

USAID FROM THE AMERICAN PEOPLE

MOMENTUM A Global Partnership for Health and Resilience

www.USAIDMomentum.org
X / TWITTER: @USAID_Momentum
FACEBOOK: USAID Momentum

पृष्ठ्भूमि

टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए इस टूलकिट का निर्माण U.S. Agency for International Development (USAID) के मोमेंटम कंट्री एंड ग्लोबल लीडरशिप प्रोजेक्ट के अंतर्गत किया गया था, जिसका उद्देश्य धार्मिक नेताओं एवं स्थानीय धार्मिक/आस्थावान प्रभावीजनों में टीकों के प्रति व्याप्त सरोकारों / चिंताओं को दूर करना था।

इस टूलकिट की एडवाइजरी फोरम के द्वारा समीक्षा की गयी तथा इसका पूर्व-परीक्षण भारत और सिएरे लियॉन जैसे देशों में किया गया। इस टूलकिट को कुल लगभग 100 मुख्य स्टेकहोल्डर्स के साथ साझा किया गया - इसे हिंदी भाषा में अनुवादित कर भारत में करीब 27 मुस्लिम, 12 हिन्दू तथा 16 ईसाई धार्मिक नेताओं /प्रभावीजनों के साथ साझा किया गया तथा सिएरे लियॉन में इस टूलकिट को करीब 24 ईसाई व 5 मुस्लिम धार्मिक नेताओं /प्रभावीजनों, 13 स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्मिकों तथा 4 पारंपरिक चिकित्सकों के साथ साझा किया गया। भारत में लगभग 3,000 तथा सिएरे लियॉन में लगभग 20,000 से अधिक लोगों तक व्यक्तिगत रूप से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इस टूलकिट की पहुंच बनायी गयी जिनकी मासिक प्रगति की मॉनिटरिंग तथा दस्तावेज़ीकरण किया गया। छः माह की पायलट अवधि के बाद स्टेकहोल्डर्स ने अपने समुदाय में प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के अनुभवों पर अपना फीडबैक प्रदान किया। इन निष्कर्षों तथा टीकाकरण को बढ़ावा देने वाले संसाधनों व कारकों की शोध समीक्षा के साक्ष्यों के आधार पर इस क्रियान्वयन निर्देशिका को तैयार किया गया है।

टूलकिट के सफल क्रियान्वयन के कारक

इस टूलकिट को सफलता पूर्वक अपनाने तथा इसके सिर्फ एक बार के प्रयोग व टीकाकरण के निरंतर प्रयासों में निम्न कारकों की भूमिका रही है ।

इस टूलकिट के सफल क्रियान्वयन से सम्बंधित विभिन्न टेम्पलेट /फॉर्मेट (यथा - आमंत्रण पत्र, एजेंडा, एक्शन प्लान/ कार्य योजना, तथा बजट) को डाउनलोड करने हेतु इस फोल्डर (https://tinyurl.com/VaccineToolkitBrief) का अवलोकन करें।

टीकाकरण टूलकिट संसाधन

सफलता के कारक	व्यवहारिक रणनीतियां
1. टूलकिट को अपनाने के अवसर स्थापित करें इस टूलकिट के उपयोगकर्ता (आस्थावान /धार्मिक प्रभावीजन/नेता और वो स्टेकहोल्डर्स जो धार्मिक समुदाय के साथ जुड़े हों) को इस टूलकिट के अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रयासों के बारे में जागरूक होना होगा तथा इस टूलकिट की कथित उपयोगिता के कारण इसे उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित होना होगा।	• उन स्टाफ /कार्मिकों की पहचान करें या नियुक्ति करें जो सम्बंधित स्टेकहोल्डर्स या भौगोलिक क्षेत्र से जुड़े हों। • स्थानीय धार्मिक/आस्थावानजनों का एक त्वरित सर्वेक्षण /मैपिंग कर लक्षित धार्मिक/आस्थावान समूहों व स्टेकहोल्डर्स में से उन चैम्पियनों की पहचान करें जो टीकाकरण का समर्थन करते हों तथा टीकाकरण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हों और टीकाकरण गतिविधियों के क्रियानवयन के लिए संसाधनों को जुटा सकते हों। • टूलकिट के क्रियान्वयन हेतु प्रतिबद्धता प्राप्त करने, कार्य योजना बनाने व इसको अपनाने के लिए एक 'टूलकिट आमुखीकरण कार्यशाला' का आयोजन करें जिसमें धार्मिक /आस्थावान नेताओं /प्रभावीजनों, प्रमुख प्रभावशाली स्टेकहोल्डर्स, स्वास्थ्य मंत्रालय व अन्य सम्बंधित लोगों को प्रतिभागिता के लिए आमंत्रित करें। • उन प्रभावशाली व्यक्तियों को टूलकिट के बारे में बताने के अवसरों का उपयोग करें जो इस टूलकिट के महत्व को सार्वजानिक रूप से बता सकें।
2. लक्षित समूह /श्रोता की पहचान टूलकिट के क्रियान्वयन के लिए उचित लक्ष्य समूहों की पहचान करना आवश्यक है ताकि लक्ष्य समूहों की आवश्यकताओं, पृष्ठभूमि, टीकाकरण के अवरोधों के अनुरूप संदेशों और गतिविधियों का चयन किया जा सके।	• स्थानीय आबादी को उनके आयु वर्ग, जेंडर, शिक्षा, धार्मिक व सांस्कृतिक मान्यता, पारिवारिक व व्यवसायिक पृष्ठभूमि के अनुसार छोटे समूहों में बाँटें ताकि टीकाकरण को बढ़ाया जा सके। • प्रत्येक लक्षित उप-समूहों के साथ एक त्वरित सर्वेक्षण /आकलन करें (यथा- गहन साक्षात्कार, गहन समूह चर्चा आदि) ताकि टीकाकरण के अवरोधों, सहायक कारकों एवं सामाजिक मानदंडों, अविश्वास, भ्रम, भ्रांतियों, सांस्कृतिक /धार्मिक कारकों, की पहचान की जा सके और टीकाकरण के बारे में बताने के लिए संस्तुतियां दी जा सकें। • अपने लक्षित समूह को टीकों को अपनाने और टूलकिट के प्रयोग की उनकी इच्छा /तत्परता के आधार पर उन्हें विभाजित कर टीकाकरण के अपनाने हेतु उचित सन्देश प्रदान करें।
3. टूलकिट को प्रासंगिक बनायें विभिन्न परिस्थितियों में क्रियान्वयन हेतु टूलकिट को उक्त परिस्थिति के अनुकूल बनाना होगा। टूलकिट के प्रयोग पर क्रियान्वयन के पहले और क्रियान्वयन के दौरान स्थानीय उपयोगकर्ता की सलाह लेकर टूलकिट में आवश्यक सुधार किया जा सकता है यथा- उसकी भाषा, स्थानीय शब्दों के उचित चयन व उपयोग, स्थानीय लोगों की टीकाकरण सम्बन्धी आधारभूत जानकारी, सटीक उदाहरण आदि।	• किसी अनुभवी अनुवादक से टूलकिट को स्थानीय प्रचलित भाषा में अनुवाद कराएं और यह सुनिश्चित करें कि अनुवाद सटीक, भावपूर्ण, स्थानीय भाषा के अनुकूल, सरल और पढ़ने योग्य हो। • टीकाकरण अपनाने में बाधक स्थानीय परिवेश सम्बन्धी व्यवहारों को दूर करने के लिए अनुकूल संदेश दें। टूलकिट के खंड /सेक्शन - *"टीकाकरण को बढ़ावा देने के प्रमुख कारक"* को संदर्भित करते हुए सरल और प्रभावी सन्देश बनायें /दें। • स्थानीय परिवेश, आंकड़े, सूचनाओं आदि को टूलकिट में समाहित करें ताकि जनजातीय, सांस्कृतिक या राष्ट्रीय परिदृश्य, बाधाओं व सहजकर्ता/फसिलिटेटर्स आदि के सन्दर्भ में वस्तुस्थिति को समझा जा सके। • स्थानीय स्टाफ /कार्मिक (जो कि टूलकिट को समझता हो) तथा स्थानीय धार्मिक /आस्थावान समुदाय के सदस्यों के सहयोग से स्थानीय भाषा में अनुवाद किये गए टूलकिट का पायलट परीक्षण कर यह मूल्यांकन करें कि टूलकिट की भाषा और उसमें प्रयुक्त शब्द उचित, स्थानीय परिवेश व संस्कृति के अनुकूल और स्वीकार्य हैं या नहीं। • टूलकिट के उपयोगकर्ता के द्वारा रिपोर्टिंग व फीडबैक का एक सुदृढ़ तंत्र स्थापित करें ताकि टूलकिट के क्रियान्वयन के दौरान सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ सीखे गए सबक/अनुभव को टूलकिट में समाहित किया जा सके और बेहतर बनाया जा सके।

सफलता के कारक	व्यवहारिक रणनीतियां
4. आमुखीकरण कार्यशाला टूलकिट के उपयोगकर्ता का आमुखीकरण और प्रशिक्षण करें ताकि वे टूलकिट का प्रभावी क्रियान्वयन कर सकें। टूलकिट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इसके उपयोगकर्ता का आमुखीकरण, प्रशिक्षण, और निरंतर सहयोगी-पर्यवेक्षण करते रहना चाहिए।	• टूलकिट के उपयोगकर्ता के लिए एक आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन करें, जिसमें टूलकिट के विभिन्न सेक्शन/खण्डों में दी गयी उपयोगी जानकारियों के प्रयोग के लिए उनके कौशल की वृद्धि करते हुए टूलकिट के क्रियान्वयन के लिए एक सटीक कार्य योजना बनायें। आमुखीकरण कार्यशाला को ऐसे समय आयोजित करें जब टीकाकरण या स्वास्थ्य विषय पर कोई गहन या बड़ा कार्यक्रम हो रहा हो या होने वाला हो (यथा- किसी नए टीके का लॉन्च, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान, विश्व टीकाकरण सप्ताह आदि) ताकि उन कार्यक्रमों के माहौल का लाभ उठाया जा सके। • टूलकिट के उपयोगकर्ता के साथ एक सहयोगी- पर्यवेक्षण का ढांचा तैयार करें ताकि उन्हें प्रशिक्षित विशेषज्ञों /एक्सपर्ट से निरंतर तकनीकि सहयोग मिल सके और उनकी क्षमताओं में वृद्धि की जा सके।
5. कार्य एवं पर्यवेक्षण योजना एक स्पष्ट कार्य योजना, जिसमें गतिविधियां, लक्ष्य समूह, तथा मासिक प्रगति का स्पष्ट विवरण हो, टूलकिट उपयोगकर्ता की जवाबदेही और समन्वय को बढ़ा सकती है। टीकाकरण प्रोत्साहन गतिविधियों, लक्ष्य समूहों तक पहुँच आदि से सम्बंधित आंकड़ों का नियमित संग्रहण और रिपोर्टिंग, अल्प-कालिक और दीर्घकालिक पहल के सफल क्रियान्वयन को बढ़ाता है।	• टूलकिट उपयोगकर्ता को टूलकिट कार्य योजना (Excel document) प्रदान करें जिसमें लक्षित समूह का विवरण (धर्म, संख्या, श्रेणी, तथा लोकेशन /स्थान), टूलकिट के विभिन्न खंडो के उपयोग किये जाने का विवरण, लक्ष्यों का विवरण (जो कि विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त किये जाने योग्य, प्रासंगिक/ सुसंगत तथा समयबद्ध हों), तथा मासिक गतिविधियों का स्पष्ट विवरण दिया गया हो। • आमुखीकरण तथा प्रशिक्षण /ट्रेनिंग के दौरान उक्त अवधि की कार्य योजना को पूर्ण करने में तथा मासिक प्रगति की रिपोर्टिंग हेतु सुपरवाइजर स्टाफ का सहयोग करें। साथ ही टूलकिट क्रियान्वयन के कार्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु आवश्यकतानुसार उनका मार्गदर्शन भी करें। • परिणाम (आउटकम) और प्रभाव (इम्पैक्ट) का समुचित मूल्यांकन करने के लिए मॉनिटरिंग, मूल्यांकन और लर्निंग कार्ययोजना बनायें। • गुणवत्ता सुनिश्चित करने और आंकड़ों की समीक्षा में स्थानीय डेटा सिस्टम का सहयोग लिया जाये।
6. संसाधन टूलकिट के योजनानुसार क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मानव संसाधन तथा वर्तमान आवश्यक आधारभूत ढांचे का आकलन करें ताकि पर्याप्त लोग, समय, प्रशिक्षण, टूल्स, तथा क्षमता सुनिश्चित की जा सके।	• टूलकिट उपयोगकर्ता के वर्तमान कार्यभार का मूल्यांकन करें तथा उसके अनुरूप ही वर्तमान कार्ययोजना को संशोधित करें ताकि ऐसे स्टाफ /कार्य करने वाले लोगों को कार्य की अधिकता से बचाया जा सके जिसके कारण वे आस्थावान /धार्मिक समुदाय के साथ टीकाकरण के प्रसार के लिए प्रभावी तौर पर कार्य नहीं कर पा रहे हैं। • मानव संसाधन /स्टाफ के कार्य छोड़कर जाने और अन्य सम्बंधित बाधाओं से निपटने के लिए आकस्मिक कार्य योजना बनायें ताकि टूलकिट के क्रियान्वयन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सके। • टूलकिट उपयोगकर्ता को आवश्यक पहचान पत्र, बिल्ले /बैज आदि प्रदान करें ताकि समुदाय में उनकी पहचान और प्रमाणिकता स्थापित हो सके। • अपनी गतिविधियों की योजना बनाते समय वर्तमान उपलब्ध ढांचों और संसाधनों का सदुपयोग करें यथा- कोई सामुदायिक या धार्मिक आयोजन का सदुपयोग, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ साझा गृह भ्रमण, या सरकारी वाहनों में संयुक्त भ्रमण आदि।

सफलता के कारक	व्यवहारिक रणनीतियां
7. मूल्य /लागत पर विचार करना टूलकिट के निरंतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संसाधनों और राशि /फंड्स की व्यवस्था करें।	• टूलकिट के क्रियान्वयन के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियों के क्रियान्वयन यथा- टूलकिट के अनुवाद और स्थानीय परिप्रेक्ष्य में बदलाव/सुधार, उपयोगकर्ता के आमुखीकरण व प्रशिक्षण/ट्रेनिंग, मॉनिटरिंग व मूल्यांकन, पर्यवेक्षण तथा आकस्मिक/अप्रत्याशित चुनौतियों के समाधान आदि हेतु आवश्यक बजट की व्यवस्था करें। • फंडिंग /अनुदान के विभिन्न स्रोतों को तलाशें यथा - धनराशि/कैश व सामान के रूप में सहयोग, स्थानीय व राष्ट्रीय सरकारों, स्वास्थ्य व अन्य मंत्रालयों से सहयोग, चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य संगठनों, निजी दानदाताओं, धार्मिक संगठनों आदि से सहयोग।

संस्तुतियां /अनुशंषा

टूलकिट के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है कि धार्मिक /आस्थावान लोगों तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स /हितधारकों यथा- स्वास्थ्य व अन्य मंत्रालयों, गैर सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स जो टीकाकरण को अपनाने के लिए इच्छुक हों, अंतरधार्मिक परिषदें, स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता, तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स, जो टीकाकरण प्रोत्साहन में सलग्न हों ,आदि को बेहतर व प्रभावी तौर पर जोड़ कर रखा जाये ताकि उनके साथ बेहतर साझेदारी विकसित की जा सके।

सेक्शन/खंड 1 से आरम्भ करें: 'टूलकिट परिचय' सत्र से टीकाकरण के महत्व, टीकों के प्रति विश्वास और संकोच, धार्मिक/आस्थावान नेताओं की टीकों के प्रचार-प्रसार में भूमिका आदि के बारे में एक सामान्य समझ विकसित होती है। तत्पश्चात *विषय सूची* और नीचे सुझाये गए मुख्य बिंदुओं का प्रयोग कर टूलकिट के विभिन्न खण्डों /सेक्शंस की पहचान करें जो कि आपको सबसे उपयुक्त लगते हों। निम्न प्रक्रिया/प्रोसेस मैप, उन सभी मार्गों की व्याख्या करते हैं, जो कि प्रत्येक उपयोगकर्ता समूह अधिकतम प्रभाव /लाभ के लिए अनुसरण कर सकते हैं।

टूलकिट उपयोगकर्ता	सुझाई गयी गतिविधियां
धार्मिक /आस्थावान नेता धार्मिक व स्थानीय आस्थावान नेता तथा पारम्परिक चिकित्सक उनके समुदाय में टीकाकरण की मांग कर सकते हैं और टीकों से सम्बंधित संकोच को दूर करने में भूमिका निभा सकते हैं। ये भरोसेमंद/विश्वसनीय, प्रभावशाली लोग अपनी व्यक्तिगत पहुँच और धार्मिक ग्रंथों /किताबों की जानकारी के माध्यम से भ्रम, भ्रांतियों को दूर कर टीकाकरण को बढ़ावा दे सकते हैं।	• लक्ष्य समूहों /श्रोताओं के टीकाकरण सम्बन्धी विभिन्न सरोकारों /चिंताओं और बाधाओं को दूर करने के लिए तथ्यात्मक, धर्म-आधारित सूचनाएँ /जानकारियां प्रदान करें। टूलकिट के संचार सेक्शन/खंड की तालिका /टेबल 4 में दिए गए *'करने योग्य'* और *'ना करने योग्य'* बिंदुओं का अवलोकन करें। • धार्मिक / आस्थावान समुदाय के साथ धार्मिक स्थलों/सभाओं, सार्वजनिक स्थलों पर सत्र /परिचर्चा आयोजित करें जिसमें तार्किक, नियमित और समुदाय के अनुरूप संदेश दें और सकारात्मक व अनुकूल धार्मिक तथ्यात्मक उदाहरण दें। • सोशल मीडिया और सार्वजनिक चर्चाओं/सत्रों के माध्यम से टीकाकरण अपनाने के व्यक्तिगत अनुभवों /उदाहरणों को साझा करें, जिसमें वास्तविक नामों, लोगों, और विश्वनीय धार्मिक /आस्थावान नेताओं /प्रभावीजनों का जिक्र करें। • सोशल मीडिया के माध्यम से टीकाकरण से सम्बंधित ईसाई, मुस्लिम, और हिन्दुओं के धार्मिक /आस्थावान संदेशों का प्रचार-प्रसार करें। • संचार के सभी माध्यमों (तकनीकि और बगैर तकनीकि) के जरिये कैंपेन चलाएं जिसमें अधिकाधिक लोगों तक पहुंच बनायी जा सके। • टीकों के सामान्य विरोधों को दूर करने हेतु धार्मिक /आस्थावान नेताओं /प्रभावीजनों के साथ रेडियो साक्षात्कार आयोजित करें जिसमें उन से पूछे जाने वाले प्रश्नों को उनके साथ पहले से ही साझा कर दिया गया हो ताकि वे सटीक धार्मिक तथ्यों और उदाहरणों के साथ जवाब दे सकें।

टूलकिट उपयोगकर्ता	सुझाई गयी गतिविधियां
स्वास्थ्य मंत्रालय स्वास्थ्य मंत्रालय और अन्य सरकारी अधिकारी, टीकाकरण से सम्बंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर परिचर्चा और कार्यक्रमों को प्रोत्साहित कर सकते हैं तथा टीकाकरण को प्रोत्साहित करने के लिए धार्मिक /आस्थावान नेताओं/ प्रभावीजनों के साथ भागीदारी के लिए उपयुक्त फंडिंग/अनुदान आवंटित कर सकते हैं।	• टीकाकरण के लाभों और टीकों के सुरक्षित होने जैसे विषयों पर लोगों के व्यवहार परिवर्तन हेतु तथ्यात्मक, धर्म-आधारित, सरल संदेशों को बार-बार प्रसारित करें। • समुदाय में टीकाकरण के प्रति व्याप्त भ्रांतियों, या चिंताओं /सरोकारों को जानने तथा उन्हें दूर करने के लिए समुदाय को सुनने के सत्र आयोजित करें। • समुदाय में टीकाकरण को सहयोग देने और तथ्यात्मक जानकारियों के जरिये भ्रांतियों, या चिंताओं /सरोकारों को दूर करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित धार्मिक/ आस्थावान नेताओं/ प्रभावीजनों के साथ परिचर्चा सत्र आयोजित करें। • धार्मिक /आस्थावान नेताओं/ प्रभावीजनों के व्यक्तिगत अनुभवों का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय व सरकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिये टीकाकरण को प्रोत्साहित करें।
गैर सरकारी संगठनों के स्टाफ / स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्वास्थ्य कार्यकर्ता टीकाकरण पर धार्मिक /आस्थावान समुदायों के साथ परिचर्चा के दौरान अपने धार्मिक ज्ञान व समझ का उपयोग करते हुए उचित व सटीक सन्देश दे सकते हैं।	• सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में टीकाकरण को प्रोत्साहित करने हेतु व्यवहार परिवर्तन और सामाजिक कारकों पर आधारभूत समझ बढ़ाने के लिए टूलकिट का प्रयोग करें। • कार्यकर्ताओं / स्टाफ को टीकाकरण पर सामान्य चिंताओं /सरोकारों तथा उनके सम्बंधित प्रत्युत्तरों /जवाबों के बारे में अवगत कराएं (*टूलकिट की तालिका 1*) • मौजूदा स्वास्थ्य प्रोत्साहन गतिविधियों के साथ प्रेरणादायी संदेशों को एकीकृत करने के लिए टूलकिट के खंड/सेक्शन- *"टीकाकरण सन्देश के व्यापक /समग्र सिद्धांत"* का उपयोग करें। • धार्मिक /आस्थावान नेताओं/प्रभावीजनों के व्यक्तिगत अनुभवों का जिक्र करते हुए संस्था के सोशल मीडिया प्लेटफार्म /चैनल्स के जरिये टीकाकरण को प्रोत्साहित करें।
अंतरधार्मिक परिषद / तकनिकी संस्थाएं /निकाय अंतरधार्मिक, चिकित्सा, वैज्ञानिक तथा दूसरे तकनीकी निकाय/संस्थायें टीकों के प्रति संकोच दूर करने के लिए धार्मिक /आस्थावान नेताओं/ प्रभावीजनों व अन्य प्रमुख स्टेकहोल्डर्स के साथ विश्वसनीय साझेदारी करने तथा संवाद स्थापित करने के लिए सक्षम और उपयुक्त हैं।	• सामूहिक टीकाकरण को बढ़ावा देने और समुदाय में व्याप्त जेंडर, धर्म, व सामाजिक-आर्थिक भेदभाव जैसी अन्य बाधाओं को दूर करने के लिए धार्मिक /आस्थावान समुदायों के साथ जन -टीकाकरण कैंप आयोजित करें। • धार्मिक /आस्थावान नेताओं/ प्रभावीजनों के साथ संयुक्त स्वास्थ्य व सामाजिक व्यवहार परिवर्तन सम्बंधित कैंपेन / मुहिम चलाने के लिए अंतरधार्मिक परिचर्चाओं को आयोजित करने में सहयोग दें। • अंतरधार्मिक परिचर्चाओं को आयोजित करने तथा व्यवहार परिवर्तन सम्बंधित संदेशों की पहचान करने के पश्चात् *संलग्नक /एनेक्स -1* के अनुसार, प्रत्येक स्टेकहोल्डर समूहों के प्रतिनिधि *संलग्नक /एनेक्सचर -2* में दिए गए टेम्पलेट /नमूने का उपयोग कर अंतरधार्मिक टीकाकरण संदेशों के फ्रेमवर्क और अभियान को विकसित कर सकते हैं। • सभी धार्मिक /आस्थावान समुदायों /समूहों के साथ एक परिचर्चा आयोजित करें जिसमें वे विश्वसनीय धार्मिक /आस्थावान नेताओं/ प्रभावीजनों और चिकित्सा विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछ कर अपनी शंकाओं को दूर कर सकें। इस प्रकार की परिचर्चा को अन्य धार्मिक /आस्था समूहों के साथ भी आयोजित करते रहें।

MOMENTUM

USAIDMomentum.org

X / TWITTER: @USAIDMomentum

FACEBOOK: USAID Momentum

इस क्रियान्वयन निर्देशिका का निर्माण U.S. Agency for International Development (USAID) के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों के उदारतापूर्ण सहयोग से पूर्ण हो सका है जो कि Jhpiego तथा अन्य सहयोगियों की अगुवाई में सहयोगी समझौते #7200AA20CA00002 की शर्तों के तहत हुआ है। इस टूल किट की पाठ्य सामग्री का उत्तरदायित्व MOMENTUM Country and Global Leadership का है तथा USA सरकार या USAID का मत प्रतिबिंबित नहीं करती है।